An International Conference held on 8 May 2016 ISSN: 2393-8048
Technology with Education base of Nation
Sri Vinayak Mahavidhalya, Sri Vijaynagar, Rajasthan

हरियाणा की प्राचीन कलाओं का एक तकनीकी अध्ययन

सुनीता पुरोहित, शोधार्थी (इतिहास), जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)

सार (Abstract)

हरियाणा की प्राचीन कलाएँ भारतीय सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण अंग हैं, जिनमें लोकचित्रकला, भित्ति चित्र, मिट्टी शिल्प, धातु शिल्प, लकड़ी की नक्काशी, वस्त्र कला तथा लोक हस्तशिल्प प्रमुख हैं। इन कलाओं में स्थानीय परंपराओं, धार्मिक मान्यताओं, सामाजिक जीवन एवं प्राकृतिक परिवेश का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य हरियाणा की प्राचीन कलाओं का तकनीकी दृष्टिकोण से अध्ययन करना है, जिसमें उनकी निर्माण तकनीकों, प्रयुक्त सामग्री, उपकरणों, रंगों, संरक्षण विधियों तथा आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उनके दस्तावेजीकरण एवं संवर्धन का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया है कि डिजिटल प्रलेखन (Digital Documentation), त्रि-आयामी स्कैनिंग (3D Scanning), कंप्यूटर आधारित डिज़ाइन (CAD), आभासी संग्रहालय (Virtual Museum) तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) जैसी आधुनिक तकनीकें इन कलाओं के संरक्षण, प्रचार-प्रसार और वैश्विक पहचान को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। यह अध्ययन पारंपरिक कला और आधुनिक तकनीक के समन्वय की आवश्यकता पर बल देता है, जिससे सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण होने के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के लिए इसका स्थायी अभिलेखीकरण भी संभव हो सके।

मुख्य शब्द (Keywords): हरियाणा, प्राचीन कलाएँ, तकनीकी अध्ययन, सांस्कृतिक विरासत, लोक कला, हस्तशिल्प